Reg.Higher interest rate levied to the farmers by private banks and waving-off loan of approximate 9.5 lakh crore.

श्री जसबीर सिंह गिल **(**खडूर साहिब): चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा लाना चाहता हूं । यह प्राइवेट बैंकों की तरफ से किसानों की हो रही लूट का मुद्दा है ।

सर, अगर कोई भी आदमी कार लोन लेता है, तो उससे 7.8 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक ब्याज लिया जाता है । अगर कोई भी बिजनेस या कॉमर्शियल ऐक्टिविटी के लिए कर्ज लेता है**,** तो उससे 7.25 प्रतिशत से 9 प्रतिशत तक ब्याज लिया जाता है । हाउसिंग लोन में 8.5 प्रतिशत से 9.5 तक ब्याज लिया जाता है ।

सर, यह हैरानी वाली बात है कि अगर किसान खेती करने के लिए अपनी लिमिट बनाते हैं, उनसे 15 प्रतिशत ब्याज लिया जाता है । सर, इससे भी आगे आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि अगर आप कोई नया ट्रैक्टर लेते हैं, आप कम्बाइन लेते हैं, किसान फार्म इक्विपमेंट्स लेते हैं, तो प्राइवेट बैंक्स उनसे उन पर 22 प्रतिशत ब्याज वसूलते हैं । किसान कैसे इतना ब्याज दे पाएंगे? इसको रेशनलाइज करना चाहिए । यह केवल मेरा या अपोजिशन का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह हम सभी का मुद्दा है ।

मैं माननीय मंत्री जी से गुजारिश करूंगा कि बैंकों द्वारा जो किसानों की यह लूट हो रही है, इसे रोका जाए ।

सर, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि अगर देखा जाए, तो हम ने कॉरपोरेट्स के तकरीबन 9.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के लोन राइट ऑफ किए हैं । मैं यह गुजारिश करूंगा कि किसानों का यह सिर्फ पांच लाख करोड़ रुपए है । इसको भी राइट ऑफ करके किसान अपने गले में जो फंदा डालते हैं, उससे उनको छुटकारा दिलाया जाए । किसानों को कर्ज से मुक्त किया जाए । धन्यवाद ।